DATE
PAGE ... 01

टेंडर हार्ट हाई स्कूल, 33-बी, चण्डीगढ़।
कक्षा - पाँचवी दिनांक - 15 अगस्त, 2022
विषय - हिन्दी साहित्य उपविषय - पाठ-7 सीख
अध्यापकों के नाम - श्रीमती रोमा रानी

पाठ - 7 'सीख' (दोहे)

सुप्रभात बच्चो।

आज हम पाठ-7 के पाठ बोध के प्रश्नों के उत्तर हल करेंगे।

पाठ बोध के प्रश्न नं. 1, 2, 3 और 4 के उत्तर (पृष्ठ नं. 55 से)

1. प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें-

क. खजूर का पेड़ कैसा होता है?

उत्तर खजूर का पेड़ बड़ा होते हुए भी किसी काम का नहीं होता। उसके फल इतने ऊँचे होते हैं कि किसी राहगीर की न तो भूख मिटा सकते और न ही किसी यात्री वृक्ष की छाया ही नसीब होती है।

ख. कैसी वाणी बोलनी चाहिए और क्यों?

उत्तर हमें हमेशा ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो अभिमान रहित हो। ऐसी वाणी से दूसरों को तो सुख मिलता ही है, हमारा तन और मन भी शीतलता अथवा सुख का अनुभव करता है।

ग. कबीर के अनुसार किन-किन चीज़ों की अति अच्छी नहीं होती?

उत्तर कबीर जी के अनुसार न तो बहुत अधिक बोलना ही अच्छा है और न ही अधिक चुप रहना। ऐसे ही बादलों का न तो बहुत अधिक बरसना ही अच्छा है और न ही बहुत अधिक धूप ही अच्छी है। आवश्यकता से अधिक दोनों ही चीजें विनाश का कारण बनती

Scanned with CamScanner

DATE
PAGE No 02

टेंडर हार्ट हाई स्कूल, उ3-बी, चण्डीगढ़।
कक्षा - पाँचवी दिनांक - 1 अगस्त, 202
विषय - हिन्दी साहित्य उपविषय - सीख (दोहे)
अध्यापक के नाम - श्रीमती रोमा रानी

पाठ - 7 'सीख' (दोहे)

है।

2. प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दें -

क कबीर के दोहे हमें क्या सीख देते हैं?

उत्तर कबीर जी के दोहे हमें दूसरों का भला करना, समय से काम करना, मीठा बोलना, आत्ममंथन करना, परिश्रमपूर्वक अध्ययन करना जैसी बातों की सीख देते हैं ताकि ऐसी बातों को अपने जीवन में अपनाकर जीवन सफल कर सकें।

ख. भाव स्पष्ट कीजिए -

बुरा जो ---------- मुझसे बुरा न कोय।

प्रसंग :- प्रस्तुत दोहा हमारी हिन्दी की पाठ्य पुस्तक नवतरंग - 5 में संकलित 'सीख' पाठ में से लिया गया है। जिसके कवि संत कवि 'कबीर दास' जी हैं।

भावार्थ :- भाव यह है कि कबीर जी कहते हैं कि जब मैं संसार में बुरा इंसान खोजने निकला तो मुझे कोई भी बुरा व्यक्ति नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने ही मन में झाँक कर देखा तो मुझे अपने आप से बुरा कोई नहीं लगा अर्थात् दूसरों पर उँगली उठाने से पहले अपने अंतर मन में झाँक लेना चाहिए।

3. नीचे लिखे शब्दों को पहचानकर पूरा दोहा लिखें -

वाणी मन आपा शीतलता

उत्तर ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करे, आपहु सीतल होय।।

Scanned with CamScanner

टेडर हार्ट हाई स्कूल, 33-बी, चण्डीगढ़।
कक्षा - पाँचवी दिनांक - 1 अगस्त, 202.
विषय - हिन्दी साहित्य अविषय - सीख (दोहे)
अध्यापकों के नाम - श्रीमती रोमा रानी

पाठ - 7 'सीख' (दोहे)

प्र. वे दोहे लिखें, जिनमें नीचे लिखे भाव हों -
क. परिश्रम से विद्या अर्जित करनी चाहिए।
उत्तर विद्या धन उद्यम बिना, कहो जु पावे कौन।
बिना डुलाए ना मिले, ज्यों पंखा की पौन॥
ख. हर चीज़ की अति बुरी होती है।
उत्तर अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप।
अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप॥

गृहकार्य -
- उपरीलिखित पाठ्यक्रम को हिन्दी की नोटबुक पर लिखें व याद करें।
- इन दोहों के अर्थ बार-बार पढ़ें ताकि इनका भाव अच्छी तरह से समझ आ जाए।

Last Page

Scanned with CamScanner